



**SHRI DIGAMBER JAIN ACHARYA
SANSKRIT MAHAVIDYALAYA
JAIPUR**



www.jainsanskritcollege.com

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
प्राचार्य

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय
प्लॉट नं. १०, लॉन्गटोवर, जयपुर-२९ (राज.)



श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय

वीरोदय नगर, सांगानेर जयपुर
राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (NAAC) द्वारा "B" ग्रेड प्राप्त



VIKRAMJEET

Assistant Librarian,
Central Sanskrit University,
Devavyasa Campus, Balahar, Kangra,
Himachal Pradesh

Library Development Cell

द्वारा आयोजित व्याख्यान

**Best practices for
Academic Libraries**

दिनांक : 7 फरवरी 2022
समय : 3:00-4:00 बजे

**Zoom ID: 8504083295
Password: 12345**

आयोजक

एन. के. सेठी
(अध्यक्ष)

महेश चंद्र जैन चंदवाड़
(मानद मंत्री)

डॉ. ललित किशोर शर्मा
(प्राचार्य)

महेंद्र मल्होत्रा
(पुस्तकालयाध्यक्ष)

दशदिवसीय ब्राह्मी लिपि प्रशिक्षण ऑनलाइन कार्यशाला

प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

दिनाङ्क : फरवरी 5-14, 2022

पंजीकरण शुल्क : 1000/-

समय : सायं 4 - 5 बजे तक

लिपि

लिपि या लेखन प्रणाली का अर्थ किसी भाषा को लिखने का तरीका (ढंग) होता है। ध्वनियों को लिखने के लिए जिन चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, वही लिपि है।

लिपि परिवार - संसार में मुख्यतः तीन लिपि परिवार हैं।

1. चित्रलिपि - चीन, जापान एवं कोरिया में प्रयुक्त लिपियाँ।
2. ब्राह्मी लिपि - देवनागरी तथा दक्षिण एशिया एवं दक्षिण पूर्व एशिया में प्रयुक्त लिपियाँ।
3. फोनेटिशन लिपि - यूरोप, मध्यएशिया एवं उत्तरी अफ्रीका में प्रयुक्त लिपियाँ।

ब्राह्मी लिपि - ब्राह्मी लिपि एक प्राचीन लिपि है। जिसमें कई एशियाई लिपियों का विकास हुआ।

उत्पत्ति - कुछ विद्वान् ब्राह्मी लिपि को सिंधु लिपि (सरस्वती लिपि) में निकलने मानते हैं। ब्राह्मी लिपि का प्रयोग वैदिक आर्यों ने शुरू किया था।

ऐतिहासिक स्रोत - मौर्य सम्राट अशोक के बौद्ध उपदेश जो पालि प्राकृत भाषा में थे जिनका उल्लेख अशोक के शिलालेखों में मिलता है। उनको लिपि ब्राह्मी लिपि मानी गयी है। अतः ब्राह्मी के विषय में यह कहा जाता है, कि चौथी से तीसरी सदी ई. पू. में इसका विकास मौर्यों ने किया था और यह इसका स्वयंसे पुनर्जाता माना जाता है।

- भारत की सारी लिपियाँ (अरबी, फारसी को छोड़ कर) ब्राह्मी लिपि से विकसित हुई हैं।
- इतना ही नहीं सिन्धु तथा दक्षिण पूर्व एशिया के देशों की लिपियाँ भी ब्राह्मी लिपि से निकलने मानी जाती हैं।
- इस लिपि को पहली बार 1937 में जेम्स प्रिंस ने पढ़ा था।
- ब्राह्मी लिपि काये से दावे साथ की तरह निर्यात जाती है।
- यह मात्रात्मक लिपि है। व्यंजनों पर मात्रा लगाकर नियंत्रित होती है।

श्री विश्व गुरु

विश्वगुरु संस्थान

संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री दिगम्बर जैन
आश्रम, जयपुर

पता : श्री दिगम्बर जैन
आश्रम, जयपुर

ब्राह्मी लिपि

“ब्राह्मी तु भारती भाषा गोवांग्वाणी सरस्वती” (अमरकोश) ब्राह्मी लिपि, भारतीय एवं अन्य समीपस्थ देशों में सभी लिपियों की जननी है। इसका उद्भव ई. पूर्व. 350-500 वर्ष माना जाता है जो पिप्परावा के स्तूप और बली गौव के शिलालेखों में स्पष्ट होता है। इसका प्रभाव मौर्यवंशी राजा अशोक के समय में गुप्त काल ईसा की चतुर्थी और पाँचवीं शताब्दी तक रहा। गुप्तकाल में इसे 'गुप्त लिपि' के नाम से भी जाना जाता था। प्राचीन ग्रंथ 'ललितविस्तर' में प्रदत्त 64 लिपियों में ब्राह्मी लिपि का नाम सर्वप्रथम आता है। 'पञ्चवर्णा सूत्र' तथा 'समवायाग सूत्र' नामक जैन ग्रंथों में इसका नाम 'बभी' लिपि भी प्राप्त होता है।

समन्वयक

डा. ललित किशोर शर्मा

प्राचार्य, श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर
मो : 9413748055

प्रशिक्षक

आनन्द शर्मा

लिपि विशेषज्ञ, पाण्डुलिपि एवं लिपिविज्ञान विभाग
विश्वगुरुदीप आश्रम शोध संस्थान, जयपुर
मो : 9001728596

Account Information :

A/c No. : 5013053111

IFS Code : KKBK0003541

UPI : vishwaguru@kotak

रजिस्ट्रेशन अंतिम तिथि - 4 फरवरी 2022

रजिस्ट्रेशन लिंक

<https://forms.gle/WNyLV33QTL9A6kkm8>



विश्वगुरुदीप आश्रम शोध संस्थान, जयपुर

(संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री दिगम्बर जैन आश्रम, जयपुर)

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर



SHRI DIGAMBAR JAIN ACHARYA SANSKRIT MAHAVIDYALAYA

Veerodaya Nagar, Jain Nasiyan Road, Sanganer (Jaipur)

Co-Educational Institute affiliated by J.R.Ba. Sanskrit University, Jaipur
 Recognized by UGC under section 2(F) and 12 (B) of the act
 Accredited by NAAC with 'B' Grade

ISIRI

Keynote Speakers



संस्कृत में Online संशोधन
 12.01.2022
 2:00-3:00 PM

PROF. MADAN MOHAN DIXI
 Director
 Sanskrit University, Jaipur



Keynote Speakers



व्यापिक संस्था का शैक्षणिक प्रभाव
 12.01.2022
 3:00-4:00 PM

PROF. VINOD CHANDRA
 Former Vice-Chancellor
 J.R.B. Rajasthan Sanskrit University,
 Jaipur (Rajasthan)

8 DAYS FACULTY DEVELOPMENT PROGRAMME

Organized by IQAC

(12.01.2022 – 19.01.2022)

ORGANIZERS



Types of Research
 14.01.2022
 3:00-4:00 PM

PROF. DINKAR SAWANT
 Director
 Kishore Sahakar Centre
 Kashi Khatwara, Kashi, Sanskrit University,
 Kanpur, U.P.

IQAC Management
 17.01.2022
 2:00-3:00 PM



PROF. ANURAG KALIA
 VASU, UGC & Coordinator
 Former Principal, Kishore Sahakar Centre, Kashi
 Khatwara, Kanpur, U.P.

उत्कृष्ट संशोधन में Online Tools का प्रयोग
 18.01.2022
 11:00-12:00 Noon



PROF. AMBA KULKARNI
 HOD - Department of Sanskrit Studies
 Central University of Hyderabad, Telangana

Time Management for Happiness and Success
 18.01.2022
 3:00-4:00 PM



PROF. DR. RAJMOHAN CHANDRA
 Chairman
 Mahatma Development Academy, Jaipur



संस्कृत में अध्यापन संशोधन
 18.01.2022
 2:00-3:00 PM

PROF. ANIL PANDEY
 Dean, Faculty of Vedika
 Karnatak Sanskrit University, Bangalore



MR. N.K. SETHI
 PRESIDENT (ISDJASC)



MR. M.C. JAIN
 SECRETARY (ISDJASC)



CONVENER
 DR. LAXMI KISHORE SHARMA
 PRINCIPAL

ORGANIZING COMMITTEE - Dr. Anil Kumar Jain, Dr. Krishanlal Janki, Dr. Shruti Pareek, Dr. Shruti Jain, Mr. Satish Jain

प्राचार्य
 श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय
 जैन नसियी रोड, सांगानेर, जयपुर-29 (राज.)

हस्ताक्षर

**SHRI DIGAMBAR JAIN ACHARYA SANSKRIT MAHAVIDYALAYA
SANGANER, JAIPUR.**

Co-Educational Institute affiliated by J.R.Raj. Sanskrit University, Jaipur
Recognized by UGC under section 2(F) and 12 (B) of the act
Accredited by NAAC with 'B' Grade



Online 8 DAYS FACULTY DEVELOPMENT PROGRAMME
Organized by IQAC

KEYNOTE SPEAKER

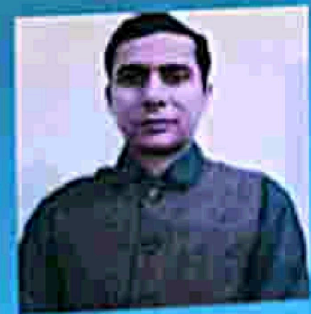


PROF. MADAN MOHAN JHA
DIRECTOR
JEEVA SANSKRIT UNIVERSITY, JAMMU

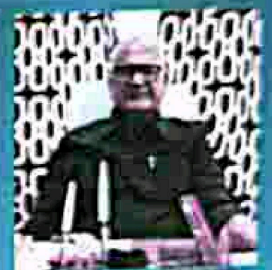
Digital

“संस्कृत में Online संसाधन”

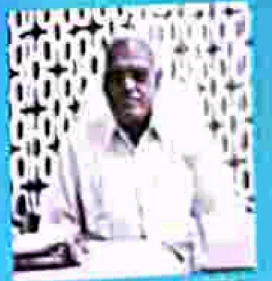
January 12, 2022 at 02:00 to 03:00 PM



CONVENER
DR. LALIT KISHORE SHARMA
PRINCIPAL



MR. N.K. SETHI
PRESIDENT (SDJASC)



MR. M.C. JAIN
SECRETARY (SDJASC)

DR. SHIBUTI PATEL
COORDINATOR - IQAC

DR. SHIBUTI JAIN
CO-COORDINATOR - IQAC

DIGAMBAR JAIN ACHARYA SANSKRIT MAHAVIDYALAYA Sanganer, Jaipur

Co-Educational Institute affiliated by J.R.Raj. Sanskrit University, Jaipur
Recognized by UGC under section 2(F) and 12 (B) of the act
Accredited by NAAC with 'B' Grade



ONLINE 8 DAYS FACULTY DEVELOPMENT PROGRAMME
Organized by IQAC

NOTE SPEAKER



RAMAKANT PANDEY
HITYA DEPARTMENT
SANSKRIT UNIVERSITY, JAIPUR

RUTIPAREEK
DINATOR-IQAC

RUTIJAIN
RDINATOR-IQAC

DAY-2 "साहित्य में अनुसन्धान की सम्भावनाएँ"
January 13, 2022 at 03:00 to 04:00 P.M.



CONVENER
DR. LALIT KISHORE SHARMA
PRINCIPAL



MR. N.K. SETHI
PRESIDENT (SDJASC)



MR. M.C. JAIN
SECRETARY (SDJASC)

स्वीकारित
पाठ्यक्रम
श्री. ललित केशव शर्मा
सं. संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर-302029 (राज्य)

SHRI DIGAMBAR JAIN ACHARYA SANSKRIT MAHAVIDYALAYA Sanganer, Jaipur



Co-Educational Institute affiliated by J.R.Raj. Sanskrit University, Jaipur
Recognized by UGC under section 2(F) and 12 (B) of the act
Accredited by NAAC with 'B' Grade

ONLINE 8 DAYS FACULTY DEVELOPMENT PROGRAMME
Organized by IQAC

KEYNOTE SPEAKER

DAY-3 "Types of Research"
January 14, 2022 at 03:00 to 04:00 P.M



DR. DINKAR MARATHE
DIRECTOR - RATNAGIRI SUB-CENTRE
K. K. KALIDAS SANSKRIT UNIVERSITY,
RAMTEK, NAGPUR

DR. SHRUTI PAREEK
COORDINATOR - IQAC

DR. SHRUTI JAIN
CO-COORDINATOR - IQAC

Handwritten signature and text:
श्री दिगम्बर जैन अचार्य संस्कृत महाविद्यालय
प्राचार्य
जैन नर्सिंग हॉल, सौमिनर, जयपुर-29 (राज्य)



CONVENER
DR. LALITKISHORE SHARMA
PRINCIPAL



MR. N.K. SETHI
PRESIDENT (SDIASC)



MR. M.C. JAIN
SECRETARY (SDIASC)

MEMBER (SDIASC)

SHRI DIGAMBAR JAIN ACHARYA SANSKRIT MAHAVIDYALAYA Sanganer, Jaipur



Co-Educational Institute affiliated by J.R.Raj. Sanskrit University, Jaipur
Recognized by UGC under section 2(F) and 12 (B) of the act
Accredited by NAAC with 'B' Grade

ONLINE 8 DAYS FACULTY DEVELOPMENT PROGRAMME Organized by IQAC

KEYNOTE SPEAKER



PROF. V.N.K. PANDURANGI
Dean, Faculty of Vedanta,
Karnataka Sanskrit University, Bengaluru

DAY-4

“वेदों में अभिनव व्याख्या”

January 15, 2022 at 03:00 to 04:00 PM



CONVENER
DR. LALIT KISHORE SHARMA
PRINCIPAL



MR. N.K. SETHI
PRESIDENT (SDIASC)



MR. M.C. JAIN
SECRETARY (SDIASC)

DR. SHRUTI PAREEK
COORDINATOR - IQAC

DR. SHRUTI JAIN
CO-COORDINATOR - IQAC

Handwritten signature and text:
प्रधान
श्री. दिगंबर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय
संगणेर, जयपुर, राजस्थान-303001 (राज.)

SHRI DIGAMBAR JAIN ACHARYA SANSKRIT MAHAVIDYALAYA



Co-Educational Institute affiliated by J.R. Raj. Sanskrit University, Jaipur

Recognized by UGC under section 2(F) and 12 (B) of the act

Accredited by NAAC with 'B' Grade

Online 8 DAYS FACULTY DEVELOPMENT PROGRAMME

Organized by IQAC

KEYNOTE SPEAKER



PROF. VINOD SHASTRI

Former Vice-Chancellor

J.R. Rajasthan Sanskrit University,
Jaipur (Raj.)

Day-5

“ज्योतिष शास्त्र का वैज्ञानिक स्वरूप”



CONVENER

DR. LAXMI KISHORE SHARMA
PRINCIPAL



MR. M.C. JAIN
SECRETARY (SD)ASC



MR. M.C. JAIN
SECRETARY (SD)ASC

DR. SHRUTI JAIN
COORDINATOR IQAC

DR. SHRUTI JAIN
CO-CORDINATOR IQAC

Handwritten notes in Hindi, including the word 'अधिक' (more) and some illegible text.

SHRI DIGAMBAR JAIN ACHARYA SANSKRIT MAHAVIDYALAYA SANGANER (JAIPUR)



Co-Educational Institute affiliated by J.R.Raj Sanskrit University, Jaipur

Recognized by UGC under section 2(F) and 12 (B) of the act

Accredited by NAAC with B Grade

KEYNOTE SPEAKER

Online 8 DAYS FACULTY DEVELOPMENT PROGRAMME
Organized by IQAC

Day-6

“IQAC MANAGEMENT”

January 17, 2022 at 03:00 to 04:00 PM



PROF. KIRAN KALA JAIN
NAAC Expert & Coordinator
Former Principal,
Chandhary Ishwar Singh Girls College,
Fatchpur Pundri, Kurukshetra (Haryana)

DR. SHRUTI PAREEK
COORDINATOR-IQAC

DR. SHRUTI JAIN
CO-CORDINATOR-IQAC



CONVENER
DR. LALIT KISHORE SHARMA
PRINCIPAL.



MR. N.K. SETHI
PRESIDENT (SDJASC)



MR. M.C. JAIN
SECRETARY (SDJAS)

**SHRI DIGAMBAR JAIN ACHARYA SANSKRIT MAHAVIDYALAYA
SANGANER (JAIPUR)**



Co-Educational Institute affiliated by J.R.Raj. Sanskrit University, Jaipur
Recognized by UGC under section 2(F) and 12 (B) of the act
Accredited by NAAC with 'B' Grade

**Online 8 DAYS FACULTY DEVELOPMENT PROGRAMME
Organized by IQAC**

KEYNOTE SPEAKER



PROF. AMBA KULKARNI
HOD
Department of Sanskrit Studies
Central University of Hyderabad

Day-1

“संस्कृत अध्यापन में Online Tools”

January 18, 2022 at 11:00 to 12:00 NOON



MR. N.K. SETHI
PRESIDENT (SDJASC)



CONVENER
DR. LALIT KISHORE SHARMA
PRINCIPAL



MR. M.C. JAIN
SECRETARY (SDJASC)

DR. SHRUTI PAREEK
COORDINATOR - IQAC

DR. SHRUTI JAIN
CO-CORDINATOR - IQAC

स्फुट
प्रमाणित कि डॉ. ललित किशोर शर्मा
के नाम पर सङ्गठित कार्यक्रम का आयोजन
किया जा रहा है।
दिनांक: 18/01/2022 (शुक्र)



SHRI DIGAMBAR JAIN ACHARYA SANSKRIT MAHAVIDYALAYA SANGANER (JAIPUR)



Educational Institute affiliated by J.R.Raj. Sanskrit University, Jaipur
Recognized by UGC under section 2(F) and 12 (B) of the act
Accredited by NAAC with 'B' Grade

Online 8 DAYS FACULTY DEVELOPMENT PROGRAMME
Organized by IQAC

KEYNOTE SPEAKER



PROF. (DR.) RAMESH ARORA
CHAIRMAN
Management Development Academy,
Jaipur

DR. SHRUTI PAREEK
COORDINATOR - IQAC

DR. SHRUTI JAIN
CO-CORDINATOR - IQAC

Day-8

**Time Management for
Happiness and Success**

January 19, 2022 at 03:00 to 04:00 PM



CONVENER
DR. LALIT KISHORE SHARMA
PRINCIPAL



MR. N.K. SETHI
PRESIDENT (SDJASC)



MR. M.C. JAIN
SECRETARY (SDJASC)

स्मि
श्री दिगम्बर जैन अचार्य संस्कृत महाविद्यालय
संगणेर (जयपुर)
19/01/2022

19/01/2022



श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, सांगानेर, जयपुर
एवं

संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश उच्चस्तरीय अध्ययन एवं अनुसन्धान केंद्र
के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित

पं. चैनसुखदास न्यायतीर्थ स्मृति व्याख्यानमाला 2022

विषय – “वर्तमान परिप्रेक्ष्य में श्रावक के अष्ट मूल गुणों की उपयोगिता”



मुख्य वक्ता

डॉ. सुपमा सिंघवी

पूर्व अध्यक्ष

राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर

शनिवार, दिनांक 22 जनवरी, 2022 (प्रातः 11:30 वजे)

स्थान – श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जैन नर्मियाँ रोड, सांगानेर, जयपुर
आप सपरिवार सादर आमन्त्रित हैं।

निबन्धक



एन.क. मोठी
अध्यक्ष



डॉ. जीतानु चन्द्र जैन
मानद निदेशक
(अनुसन्धान केंद्र)



डॉ. ललित किशोर शर्मा
प्राचार्य



महेश चन्द्र जैन 'चांदवाड़'
मन्त्री

एवं समस्त महाविद्यालय परिवार

प्रतिवेदन

पं. चैतनमुखास न्यायतीर्थ स्मृति व्याख्यानमाला 2022

श्री टिगन्धर जेल आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, सांगर में आयोजित की जाने वाली पं. चैतनमुखास न्यायतीर्थ स्मृति व्याख्यानमाला के अन्तर्गत 22 जनवरी 2022 को महाविद्यालय में 24वीं व्याख्यानमाला आयोजित की गई। इस व्याख्यानमाला में सर्वप्रथम महाविद्यालय के जैलटर्मिनल विभाग के प्राध्यापक डॉ. दिलीप जेल ने प्रबुद्ध-संस्कृतकृत्य संगलाचरण किया। कार्यक्रम में पं. चैतनमुखास न्यायतीर्थ के चित्र के सन्मुख दीप प्रज्वलित किया। व्याख्यानमाला में आयोजित विभिन्न अतिथियों का महाविद्यालय परिवार के द्वारा तिरक और आभारार्पण द्वारा स्वगत व अभिनंदन किया गया।

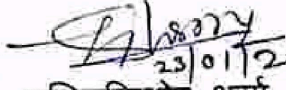
मानद सत्री श्री महेश चन्द्र जेल चॉटवाड ने संस्था का परिचय प्रस्तुत किया तथा महाविद्यालय के शौरवशाही इतिहास से सभी को अवगत कराया। अन्तर महारजा संस्कृत कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. प्रेमचन्द्र रौंदका ने पं. चैतनमुखास जी के अनेक व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए पंडितजी के द्वारा धर्म और समाज के लिए दिए गए अष्टमूल अष्टमूल व्याख्यानमाला की भूमिका प्रस्तुत करते हुए महाविद्यालय के उपप्राचार्य डॉ. जगदीश कुमार जेल ने आगमालुसार अष्टमूलगुणों के स्वल्प का परिचय दिया तथा महाविद्यालय की वार्षिक शोधपत्रिका दर्शन भारती की रूपरेखा भी प्रस्तुत की। तत्पश्चात् सत्रांत अतिथियों के द्वारा दर्शन भारती (संयुक्त-क - कृष्णाचार विशेषांक) का विमोचन तथा संकायन किया गया।

इस वर्ष की व्याख्यानमाला का विषय वर्तमान परिप्रेक्ष्य में अष्टमूल गुणों की उपयोगिता * निश्चित किया गया था जिस पर व्याख्यान देने के लिए डॉ. सुपमा सिंघवी, पूर्व अध्यक्ष- राजस्थान संस्कृत अकादमी को आमंत्रित किया गया था। उस विषय पर अपना महत्वपूर्ण व्याख्यान देते हुए डॉ. सिंघवी ने कहा कि इन मूलगुणों के परिपालन में अहिंसा की भावना मुख्यतया विद्यमान है और अहिंसा का प्रारंभ स्वल्प से होता है। प्रत्येक जीव को अन्य सभी जीवों के प्रति आत्मसौजन्यभाव धारण करना चाहिए। पाप को परिभाषित करते हुए उन्होंने कहा कि दूसरे को दुःखी करना मात्र पाप नहीं है अपितु स्वयं दुःखी रहना भी पाप ही है।

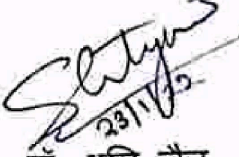
व्याख्यानमाला की अध्यक्षता कर रहे श्री एन. के. सेठी ने 135 वर्ष इस पावन संस्था में बन रहे अत्याधुनिक समा-भवन, राष्ट्रीय प्रत्येक मूल्यवान् परिषद् द्वारा पाल दो बंध, कोरोना महामारी के बढ़ते प्रभाव के कारण महाविद्यालय के स्टॉक द्वारा ऑनलाइन पद्धति से अध्यापन आदि पर प्रकाश डालते हुए संस्था के विकास के लिए प्रतिबद्धता की बात कही।

महाविद्यालय की ओर से डॉ. सिंघवी जी को ग्रन्थ व शॉल आदि भेंट करके सम्मानित किया गया।

व्याख्यानमाला के अंत में प्राचार्य डॉ. ललितकिशोर शर्मा ने अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय, आमंत्रित मुख्य वक्त्री, कमेटी के पदाधिकारियों, सदस्यों, महाविद्यालय एवं विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं व अन्य सम्मिलित श्रोताओं का आभार व्यक्त किया। व्याख्यानमाला की रूपरेखा में श्री अमित जी, श्री राकेश जी का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। छात्र-छात्राओं हेतु कार्यक्रम का ऑनलाइन प्रसारण श्री कृष्णदेव शुक्ल ने किया तथा संचालन जैनदर्शन विभाग की सह-आचार्या डॉ. श्रुति जैन ने किया।


23/01/2022
डॉ. ललितकिशोर शर्मा

(प्राचार्य)


23/01/22
डॉ. श्रुति जैन

(सांस्कृतिक एवं साहित्यिक प्रभारी)

SHRI DIGAMBAR JAIN ACHARYA SANSKRIT MAHAVIDYALAY

Veerodaya Nagar, Jain Nasiyan Road, Sanganeer (Jaipur)
Co-Educational Institute affiliated by J.R.Raj Sanskrit University, Jaipur
Recognized by UGC under section 2(F) and 12 (B) of the act
Accredited by NAAC with 'B' Grade



मुख्य वक्ता



सप्तदिवसीय जैनदर्शन कार्यशाला
प्रथम दिवस

जैनदर्शन में प्रमाण व्यवस्था

24 जनवरी 2022, अपराह्न 3:00-4:00

विनीत

प्रो. धर्मचंद जैन

पूर्व प्रोफेसर (संस्कृत विभाग),
जयपुरायाण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर

एन.के. सेठी
(अध्यक्ष)

महेशचंद्र चांदवाड
(मानद मंत्री)

डॉ. ललित किशोर शर्मा
(प्राचार्य)

डॉ. अनिल कुमार जैन
(विभागाध्यक्ष)

संयोजक

डॉ. हितेन्द्र जैन
डॉ. श्रुति जैन

समन्वयक(IQAC)

डॉ. श्रुति पारीक
डॉ. श्रुति जैन

Zoom ID : 850 408 3295

Password : 12345

SHRI DIGAMBAR JAIN ACHARYA SANSKRIT MAHAVIDYALAY

Veerodaya Nagar, Jain Nasiyan Road, Sangner (Jaipur)
Co-Educational Institute affiliated by J.R.Raj Sanskrit University, Jaipur
Recognized by UGC under section 2(F) and 12 (B) of the act
Accredited by NAAC with 'B' Grade



मुख्य वक्ता



डॉ. संजीव गोधा

अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त युवा विद्वान,
जयपुर

सप्तदिवसीय जैनदर्शन कार्यशाला
द्वितीय दिवस

जैनदर्शन में प्रत्यक्ष प्रमाण की व्यवस्था

25 जनवरी 2022, अपराह्न 3:00-4:00

विनीत

एन.के. सेठी
(अध्यक्ष)

महेशचंद्र चांदवाड
(मानद मंत्री)

डॉ. ललित किशोर शर्मा
(प्राचार्य)

डॉ. अनिल कुमार जैन
(विभागाध्यक्ष)

संयोजक

डॉ. हितेन्द्र जैन
डॉ. श्रुति जैन

समन्वयक(IQAC)

डॉ. श्रुति पारीक
डॉ. श्रुति जैन

Zoom ID : 850 408 3295

Password : 12345

SHRI DIGAMBAR JAIN ACHARYA SANSKRIT MAHAVIDYALAY

Veerodaya Nagar, Jain Nasayan Road, Sanganeer (Jaipur)
Co-Educational Institute affiliated by J.R.Raj Sanskrit University, Jaipur
Recognized by UGC under section 2(F) and 12 (B) of the act
Accredited by NAAC with 'B' Grade



मुख्य वक्ता

सप्तदिवसीय जैनदर्शन कार्यशाला
तृतीय दिवस

जैनदर्शन में परोक्ष प्रमाण की अवधारणा

26 जनवरी 2022, अपराह्न 3:00-4:00



अनन्त बल्ले जैनदर्शनाचार्य
संस्कृत प्राध्यापक,
बाई श्राविका विद्यालय, सोलापुर

एन.के. सेठी
(अध्यक्ष)

महेशचंद्र चांदवाड
(मानद मंत्री)

डॉ. ललित किशोर शर्मा
(प्राचार्य)

डॉ. अनिल कुमार जैन
(विभागाध्यक्ष)

संयोजक

डॉ. हितेन्द्र जैन
डॉ. श्रुति जैन

विनीत

समन्वयक(IQAC)

डॉ. श्रुति पारीक
डॉ. श्रुति जैन

Zoom ID : 850 408 3295

Password : 12345

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय

(राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त)

(जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर एवं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेरसे सम्बद्ध)
(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् बैंगलुरु (NAAC) द्वारा मान्यता एवं "B" ग्रेड प्राप्त)

वीरोदय नगर, जैन नसिर्यो रोड़, सांगानेर, जयपुर - 302 029

क्रमांक :

दिनांक

माननीय डॉ. धर्मचन्द्र जैन.

पूर्व प्रोफेसर (साहित्य विभाग)

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय,

जोधपुर।

विषय - जैनदर्शन कार्यशाला में व्याख्यान के क्रम में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयातर्गत निवेदन है कि महाविद्यालय में दिनांक 24 जनवरी 2022 से 30 जनवरी 2022 तक जैनदर्शन विभागके द्वारा सप्तदिवसीय जैनदर्शन कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर आपसे दूरभाष पर स्वीकृति प्राप्त हुई जिसके अनुसार दिनांक 24 जनवरी 2022 को अपराह्न 3:00 बजे से 4:00 बजे तक जैनदर्शन में प्रमाण व्यवस्था विषय पर आपका व्याख्यान सुनिश्चित किया गया है।

आपसे विनम्र निवेदन है कि अपनी गरिमामय उपस्थिति से हमें अनुग्रहीत करें।

सादर

भवदीय,

डॉ. ललित किशोर शर्मा

(प्राचार्य)

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय

(राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त)

(जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर एवं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेरसे सम्बद्ध)
(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् बैंगलुरु (NAAC) द्वारा मान्यता एवं "B" ग्रेड प्राप्त)

वीरोदय नगर, जैन नसियाँ रोड़, सांगानेर, जयपुर - 302 029

संख्या :

दिनांक

माननीय डॉ. संजीव गोधा,

B-54 जनता कॉलोनी

जयपुर।

विषय - जैनदर्शन कार्यशालामें व्याख्यान के क्रम में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयांतर्गत निवेदन है कि महाविद्यालय में दिनांक 24 जनवरी 2022 से 30 जनवरी 2022 तक जैनदर्शन विभागके द्वारा "सप्तदिवसीय जैनदर्शन कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर आपसे दूरभाष पर स्वीकृति प्राप्त हुई जिसके अनुसार दिनांक 25 जनवरी 2022 को अपराह्न 3:00 बजे से 4:00 बजे तक जैनदर्शन में प्रत्यक्ष प्रमाण की व्यवस्था विषय पर आपका व्याख्यान सुनिश्चित किया गया है।

आपसे विनम्र निवेदन है कि अपनी गरिमामय उपस्थिति से हमें अनुग्रहीत करें।

सादर,

भवदीय,

डॉ. ललित किशोर शर्मा

(प्राचार्य)

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय

(राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त)

(कमलधर रामनन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर एवं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेरसे सम्बद्ध)
(राष्ट्रीय सूचकांक एवं प्रत्यायन परिषद् बैंगलुरु (NAAC) द्वारा मान्यता एवं "B" ग्रेड प्राप्त)

वीरोदय नगर, जैन नसियाँ रोड, सांगानेर, जयपुर - 302 029

दिनांक

क :

माननीय पं. अनन्त शास्त्री बल्ले

वरिष्ठ अध्यापक. (संस्कृत)

उमाबाई श्राविका विद्यालय, शोलापुर.

महाराष्ट्र

विषय - जैनदर्शन कार्यशालामें व्याख्यान के क्रम में ।

महोदय,

उपर्युक्त विषयांतर्गत निवेदन है कि महाविद्यालय में दिनांक 24 जनवरी 2022 से 30 जनवरी 2022 तक जैनदर्शन विभागके द्वारा सप्तदिवसीय जैनदर्शन कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर आपसे दूरभाष पर स्वीकृति प्राप्त हुई जिसके अनुसार दिनांक 26 जनवरी 2022 को अपराह्न 3:00 बजे से 4:00 बजे तक "जैनदर्शन में परोक्ष प्रमाण की अवधारणा" विषय पर आपका व्याख्यान सुनिश्चित किया गया है।

आपसे विनम्र निवेदन है कि अपनी गरिमामय उपस्थिति से हमें अनुग्रहीत करें।

सादर

भवदीय,

(डॉ. ललित किशोर शर्मा)

प्राचार्य

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय

(राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त)

(जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर एवं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेरसे सम्बद्ध)
(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् बैंगलुरु (NAAC) द्वारा मान्यता एवं "B" ग्रेड प्राप्त)

वीरोदय नगर, जैन नसियाँ रोड़, सांगानेर, जयपुर - 302 029

क्रमांक :

दिनांक

माननीय प्रो. अशोक कुमार जैन,

प्रोफेसर, जैन-बौद्ध दर्शन विभाग,

संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय,

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, काशी

विषय - जैनदर्शन कार्यशाला में व्याख्यान के क्रम में ।

महोदय,

उपर्युक्त विषयांतर्गत निवेदन है कि महाविद्यालय में दिनांक 24 जनवरी 2022 से 30 जनवरी 2022 तक जैनदर्शन विभाग के द्वारा सप्तदिवसीय जैनदर्शन कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर आपसे दूरभाष पर स्वीकृति प्राप्त हुई जिसके अनुसार दिनांक 27 जनवरी 2022 को अपराह्न 3:00 बजे से 4:00 बजे तक "जैनदर्शन में द्रव्य व्यवस्था" विषय पर आपका व्याख्यान सुनिश्चित किया गया है।

आपसे विनम्र निवेदन है कि अपनी गरिमामय उपस्थिति से हमें अनुग्रहीत करें।

सादर,

भवदीय,

(डॉ. ललित किशोर शर्मा)

प्राचार्य

दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय

(राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त)
 (जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर एवं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेरसे सम्बद्ध)
 (राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् बैंगलुरु (NAAC) द्वारा मान्यता एवं "B" ग्रेड प्राप्त)
 वीरोदय नगर, जैन नसियाँ रोड़, सांगानेर, जयपुर - 302 029

दिनांक

.....

माननीय डॉ. शीतलचन्द्र जैन

निदेशक, संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश उच्चस्तरीय अध्ययन एवं अनुसंधान केन्द्र,

जयपुर

विषय - जैनदर्शन कार्यशाला में व्याख्यान के क्रम में ।

महोदय,

उपर्युक्त विषयांतर्गत निवेदन है कि महाविद्यालय में दिनांक 24 जनवरी 2022 से 30 जनवरी 2022 तक जैनदर्शन विभाग के द्वारा सप्तदिवसीय जैनदर्शन कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर आपसे दूरभाष पर स्वीकृति प्राप्त हुई जिसके अनुसार दिनांक 28 जनवरी 2022 को अपराह्न 3:00 बजे से 4:00 बजे तक "जैनदर्शन में गुण की शास्त्रीय मीमांसा" विषय पर आपका व्याख्यान सुनिश्चित किया गया है। आपसे विनम्र निवेदन है कि अपनी गरिमामय उपस्थिति से हमें अनुग्रहीत करें।

सादर,

भवदीय,

(डॉ. ललित किशोर शर्मा)

प्राचार्य

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय

(राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त)

(जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर एवं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर से सम्बन्धित)
(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् बेंगलुरु (NAAC) द्वारा मान्यता एवं "B" ग्रेड प्राप्त)

वीरोदय नगर, जैन नसियाँ रोड़, सांगानेर, जयपुर - 302 029

क्रमांक :

दिनांक

माननीय पं. अभय कुमार जैन,

जैनदर्शनाचार्य,

देवनाली

विषय - जैनदर्शन कार्यशाला में व्याख्यान के क्रम में ।

महोदय,

उपर्युक्त विषयांतर्गत निवेदन है कि महाविद्यालय में दिनांक 24 जनवरी 2022 से 30 जनवरी 2022 तक जैनदर्शन विभागके द्वारा 'सप्तदिवसीय जैनदर्शन कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसरपर आपसे दूरभाष पर स्वीकृति प्राप्त हुई जिसके अनुसार दिनांक 30 जनवरी 2022को अपराह्न 3:00 बजे से 4:00 बजे तक "राष्ट्रीय एकता में नय की भूमिका" विषय पर आपका व्याख्यान सुनिश्चित किया गया है।

आपसे विनम्र निवेदन है कि अपनी गरिमामय उपस्थिति से हमें अनुग्रहीत करें।

सादर,

भवदीय,

(डॉ. ललित किशोर शर्मा)

पाचार्य

SHRI DIGAMBAR JAIN ACHARYA SANSKRIT MAHAVIDYALAYA

Veerodaya Nagar, Jain Nasiyan Road, Sanganer (Jaipur)
Co-Educational Institute affiliated by J.R.Raj Sanskrit University, Jaipur
Recognized by UGC under section 2(F) and 12 (B) of the act
Accredited by NAAC with 'B' Grade



जैन दर्शन विभाग द्वारा आयोजित

सप्तदिवसीय

जैनदर्शन

कार्यशाला

24 जनवरी 2022 से 30 जनवरी 2022 तक
अपराह्न 3:00 से 4:00

विनीत

एन. के. सेठी
(अध्यक्ष)

महेशचंद्र चंदवाड़
(मानद मंत्री)

डॉ. ललित किशोर शर्मा
(प्राचार्य)

डॉ. अनिल कुमार जैन
(विभागाध्यक्ष)

समन्वयक (IQAC)

डॉ. श्रुति पारीक
डॉ. श्रुति जैन

संयोजक

डॉ. हितेंद्र जैन
डॉ. श्रुति जैन

24 जनवरी 2022

जैनदर्शन में प्रमाण व्यवस्था
वक्ता : प्रो. धर्मचंद जैन



25 जनवरी 2022

जैन दर्शन में प्रत्यक्ष प्रमाण की व्यवस्था
वक्ता : डॉ. संजीव गोधा



26 जनवरी 2022

जैन दर्शन में परोक्ष प्रमाण की अवधारणा
वक्ता : पं. अनन्त शास्त्री बल्ले



27 जनवरी 2022

जैनदर्शन में द्रव्य व्यवस्था
वक्ता : प्रो. अशोक कुमार जैन



28 जनवरी 2022

जैनदर्शन में गुण की शास्त्रीय मीमांसा
वक्ता : डॉ. शीतलचंद्र जैन



29 जनवरी 2022

जैनदर्शन में पर्याय मीमांसा
वक्ता : डॉ. शैलेश कुमार जैन



30 जनवरी 2022

राष्ट्रीय एकता में नय की भूमिका
वक्ता : पं. अभय कुमार जैन



श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय

(राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त)

(जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर एवं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर से सम्बद्ध)

(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् बैंगलुरु (NAAC) द्वारा मान्यता एवं 'B' ग्रेड प्राप्त)

वीरोदय नगर, जैन नसियों रोड, सांगानेर, जयपुर-302 029



क्रमांक : 1714/2021-22

दिनांक 03/02/2022

To

Sh. Vikramjeet

Assistant Librarian

Central Sanskrit University

Vedavyasa Campus, Balahar, P.O-Suhin

Tehsil-Dehra Distt-Kangra-177108 (H.P)

Subject: Invitation as Resource Person for one day expert talk on "Best Practices for Academic Libraries" on 7th February, 2022.

Respected Sir,

It gives me a pleasure to invite you as a guest speaker/ resource person to address our students/library staff for the awareness session on "*Best Practices for Academic Libraries.*" The proposed date for this expert talk is on 7th February, 2022. We firmly believe that your views, experience and expertise would enable our students as well as faculty members to gain valuable knowledge.

Kindly communicate your acceptance at earliest along with us your suitable schedule which will enable us to organize for conducting of webinar.

Thanking you

Your Sincerely


03/02/2022
(Dr. Lalit Kishore Sharma)

Principal

प्राचार्य

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय

(राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त)

(जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर एवं माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर से सम्बद्ध)

(राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् बैंगलुरु (NAAC) द्वारा मान्यता एवं 'B' ग्रेड प्राप्त)

वीरोदय नगर, जैन नसियों रोड, सांगानेर, जयपुर-302 029



क्रमांक : 1714/2021-22

दिनांक 03/02/2022

To

Sh. Vikramjeet

Assistant Librarian

Central Sanskrit University

Vedavyasa Campus, Balahar, P.O-Suhin

Tehsil-Dehra Distt-Kangra-177108 (H.P)

Subject: Invitation as Resource Person for one day expert talk on "Best Practices for Academic Libraries" on 7th February, 2022.

Respected Sir,

It gives me a pleasure to invite you as a guest speaker/ resource person to address our students/library staff for the awareness session on "*Best Practices for Academic Libraries.*" The proposed date for this expert talk is on 7th February, 2022. We firmly believe that your views, experience and expertise would enable our students as well as faculty members to gain valuable knowledge.

Kindly communicate your acceptance at earliest along with us your suitable schedule which will enable us to organize for conducting of webinar.

Thanking you

Your Sincerely


03/02/2022
(Dr. Lalit Kishore Sharma)

Principal

प्राचार्य

Webinar Report

Shri Digamber Jain Acharya Sanskrit Mahavidyalaya, Jaipur hosted the first webinar titled "**Best Practices for Academic Libraries**" on 7th February, 2022 at 3:00 pm with the objective to users awareness regarding various best library practices. Around forty participants from different states have attended the webinar. The participant included Librarian, Assistant Librarian, and Faculties from various colleges and universities. Sh. Vikramjeet, Assistant Librarian, Central Sanskrit University, Vedavyas Campus, Balahar, Distt-Kangra, Himachal Pradesh was the speaker of the event.

The webinar started with an opening remark with Mangalacharan by Dr. Krishan Dev Shukla, Assistant Professor, Department of Vyakarana and convener of webinar organizing committee, followed by welcome address from Dr. Lalit Kishore Sharma, Principal of Shri Digamber Jain Acharya Sanskrit Mahavidyala, Jaipur.

The Webinar was structured in a PPT with visual impact. The webinar started with an introduction to Best Practice. The Key speaker then explained about the various best practices for libraries. In his presentation highlighted the various best practices which are divided in four parts, such as 1. Traditional Best Practices 2. ICT Based Best Practices 3. Library Extension Services 4. General Best Practices. He also explained the various e-resources which is very useful for the students as well as faculty members.

Later, Sh. Vikramjeet, Key speaker responded to the questions and query raised by the participants. The session was concluded with healthy discussion and vote of thanks by Mr. Mahendra Malhotra, Librarian, SDJASM, Jaipur. He expressed gratitude to Sh. Vikramjeet for their informative and useful talk on the topic. He also expressed gratitude to the College Principal and administration for their constant encouragement and support in conducting the webinar.

EVENT SNAPSHOT



Shri Digamber Jain Acharya Sanskrit college Sanganer Jaipur's Personal M...

[Handwritten Signature]
08/02/2022



जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय

Helpline No - +91 7597122440

मदाऊ, भांकरोटा-गुहाना लरुक रोड, जयपुर (राज.) - 302026

वेबसाईट : www.jrsanskrituniversity.ac.in ई-मेल - jrsu@yahoo.com टेलीफोन : 0141-2602001-79

क्रमांक: प. () / जरारासंविवि / नि0शै0प0 / 20 / 2478

दिनांक : 7/2/2020

प्राचार्य,
समस्त संबद्ध राजकीय / निजी महाविद्यालय,
राजस्थान ।

विषय:- Choice Based Credit System (C.B.C.S.) से संबंधित कार्यशाला में उपस्थित होने के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख है कि विश्वविद्यालय में दिनांक 10.02.2020 को मध्याह्न 12.00 बजे से Choice Based Credit System (C.B.C.S.) संबंधित कार्यशाला आयोजित की जा रही है। इस कार्यशाला में भाग लेने हेतु आपके महाविद्यालय से एक शिक्षक की उपस्थिति सुनिश्चित करावें।

इस हेतु विश्वविद्यालय द्वारा टी0ए/डी0ए देय नहीं होगा। राजस्थान यात्रा भत्ता नियम 1971 के अनुसार संभागी अपने संबंधित महाविद्यालय से टी0ए/डी0ए प्राप्त करने के लिये स्वतंत्र होगा।

भवदीय

3/7.2.2020

(सुभाष चन्द्र शर्मा)

कुलसचिव

दिनांक :

प. () / जरारासंविवि / नि0शै0प0 / 20 /

प्रतिलिपि सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित हैं:-

1. निजी सचिव, माननीया कुलपति महोदया, जरारासंविवि, जयपुर।
2. शासन संयुक्त सचिव, शिक्षा (ग्रुप-6) विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर।
3. निदेशक, संस्कृत शिक्षा, शिक्षा संकुल, जे0एल0एन0 मार्ग, जयपुर।

प्राचार्य

श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय
जैन नरिंदा रोड, जोगानेर, जयपुर-29 (राज.)

कुलसचिव